बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-431
25/11/2019

राजगीर के महत्व को समझते हुए हम से जो भी संभव है, करते रहेंगे :– मुख्यमंत्री

❖ तीन दिवसीय राजगीर महोत्सव 2019 का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

पटना, 25 नवम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राजगीर अन्तर्राष्ट्रीय समागम केंद्र में राजगीर महोत्सव 2019 का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर महोत्सव 2019 के अवसर पर आप सभी का स्वागत करता हॅं। हर वर्ष 25 से 27 नवंबर के बीच यह कार्यक्रम आयोजित होता है और मुझे भी इस अवसर पर आने का मौका मिलता है। बड़ी संख्या में यहां कलाकार भी आते हैं, उन सभी को मैं बधाई देता हूॅं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में कई काम किए गए हैं। राजगीर को देशी–विदेशी पर्यटकों के लिए और विकसित करने के लिए कई काम किए जा रहे हैं। राजगीर में घोड़ाकटोरा को ईको टूरिज्म के रुप में विकसित किया गया है। भगवान बुद्ध की बड़ी प्रतिमा लगायी गई है। यहां की पंच पहाड़ी 2 से 10 करोड़ वर्ष पुरानी है। राजगीर में 50 वर्ष पहले विश्व शांति स्तूप की स्थापना की गई। यहां देश का पहला रोप–वे बनाया गया और उसके समानान्तर अब नया रोप–वे भी बनकर लगभग तैयार है। यहां पांडू पोखर दर्शनीय है, जरासंध के अखाड़े का सौंदर्यीकरण भी किया जा रहा है। यह राजगीर जरासंध की, बिम्बिसार और अजातशत्रु की राजधानी रही है। बाद में अजातशत्रु ने मगध की राजधानी पटना में स्थापित की। यहां पर 480 एकड़ क्षेत्र में जू सफारी बनाया जा रहा है, जिसमें हिरण, भालू, बाघ, तेंदुआ और शेर जैसे जीव रखे जाएंगे। इसके अगस्त 2020 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है। इसकी खासियत होगी कि इसमें जीव बाहर रहेंगे और बंद गाड़ी में लोग भ्रमण कर इसका आनंद उठा सकेंगे। ग्रीन सफारी भी दर्शनीय होगा। उन्होंने कहा कि राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा है। नालंदा विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। वहां पर कनफ्लिक्ट रिजॉल्युशन सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है ताकि दुनिया में कहीं भी कोई विवाद हो तो यहां आकर उसका समाधान हो सके। नालंदा विश्वविद्यालय के बगल में ही आई0टी0 सिटी का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजगीर के बगल से एक बाईपास सड़क बनायी जा रही है। राजगीर रेलवे लाइन के ऊपर एक आर0ओ0बी0 का निर्माण भी कराया जा रहा है। नूरसराय से सिलाव तक के लिए सड़क बनायी जा रही है ताकि पटना से सीधे लोग आ सकें, उन्हें बिहारशरीफ जाने की जरुरत न पड़े। पटना–बख्तियारपुर फोरलेन के 8 कि0मी0 पहले से ही राजगीर के लिए एक सड़क विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजगीर के महत्व को समझते हुए हम से जो भी संभव है उसके लिए काम करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शराबबंदी लागू होने के बाद लोगों की आशंका थी कि यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में कमी आयेगी लेकिन उन्हें जान लेना चाहिए कि बिहार में लोग शराब पीने के लिए नहीं आते हैं। बोधगया बुद्ध के ज्ञान की भूमि है, गया में पितरों की पूजा के लिये आते हैं। राजगीर में मलमास मेले में 33 करोड़ देवी–देवताओं के आगमन के समय पूजा करने के लिए आते हैं। यहां पर्यटक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक स्थलों के लिए आते हैं शराब सेवन के लिए नहीं। राज्य में देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ी है। विदेशी पर्यटकों की संख्या जहॉ 10 लाख पहुंच गई है, वहीं देशी पर्यटकों की संख्या तीन करोड़ तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि राजगीर सभी धर्मों के लिए विशिष्ट जगह है, यहॉ भगवान महावीर से संबंधित कई जैन मंदिर हैं। भगवान बुद्ध सिद्धार्थ के रुप में भी पहले यहां आते थे। ज्ञान प्राप्त करने के बाद भगवान बुद्ध कई बार उपदेश देने के लिए गृद्धकूट पर्वत पर भी आते थे और यहां रहते थे। सूफी संत मखदूम साहब की भी यह भूमि रही है। यहॉ मखदूम कुंड के साथ साथ कई अन्य कुंड भी हैं। उन्होंने कहा कि सिखों के पहले गुरु नानक देव जी बिहार में पटना के साथ–साथ राजगीर भी आए थे। राजगीर में पहले सभी धर्मकुंड ही थे। गुरुनानक देव जी ने लोगों के निवेदन पर एक कुंड को शीतल कर दिया था। उसी शीतल कुंड के पास उन्होंने निवास किया था। उन्होंने कहा कि राजगीर में शीतलकुंड के पास ही एक गुरुद्वारे का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका शिलान्यास किया गया है। 27 से 29 दिसंबर तक गुरुनानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। आप सबों से निवेदन है कि राजगीर में बाहर से आने वाले सिख श्रद्धालुओं का खुले दिल से स्वागत करें। गुरु गोविंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व पर पटना में सभी धर्म के लोंगो ने एकजुट होकर सिख श्रद्धालुओं का खुले मन से स्वागत किया था, जिसकी प्रशंसा सभी जगह हुई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु में परिवर्तन आने से समय पर वर्षा नहीं हो पाती है। कभी ज्यादा, कभी कम वर्षा होती है। इसी वर्ष जुलाई महीने में अधिक वर्षा, फिर सुखाड़ की स्थिति और सितंबर माह में भारी वर्षापात हुई। पिछले वर्ष 534 प्रखंडों में से 280 प्रखंड सूखाग्रस्त घोषित किए गए। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमलोगों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत की है। जल–जीवन–हरियाली–अभियान का मतलब है, जल है और हरियाली है तभी जीवन सुरक्षित रहेगा। चाहे वो जीवन मनुष्य का हो, जीव जंतु का हो या पशु पक्षी का हो। उन्होंने कहा कि जीवन का संरक्षित करने और आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए जल–जीवन–हरियाली अभियान को सफल बनाना होगा और इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। इस अभियान के अंतर्गत 11 अवयवों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य हिस्सों के साथ–साथ राजगीर का भूजल स्तर भी नीचे जा रहा है। हमारा आग्रह है कि लोग पेयजल का दुरुपयोग न करें। हमलोगों ने निर्णय किया है कि बरसात के समय गंगा नदी के जल को चार महीने संग्रहित करेंगे और उसे प्यूरिफाई कर बोधगया, नवादा, राजगीर में पेयजल के रुप में उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि देश के कुछ हिस्सों के साथ–साथ राज्य के कुछ हिस्सों में भी पराली (पुआल) जलाया जा रहा है। इससे पर्यावरण को काफी नुकसान पहुॅचता है। जो लोग भी इस पराली को जलाने के फायदे बताते हैं उनसे भ्रमित होने की जरुरत नहीं है, जबकि सच्चाई यह है कि पराली जलाने से न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान होता है बल्कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कमजोर होती है। उन्होंने कहा कि आहर, पईन, पोखर को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। कुओं का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। चापाकल के नजदीक सोख्ता का निर्माण कराया जा रहा है ताकि भूजल स्तर बना रहे। वर्षा जल संचयन के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से वर्षा जल को भूमि के अंदर भेजा जाएगा, जिससे भूजल स्तर बना रहे। उन्होंने कहा कि हर घर तक बिजली

उपलब्ध करा दी गई है, लोग बिजली का दुरुपयोग न करें। हर घर नल का जल उपलब्ध कराया जा रहा है, पेयजल का भी लोग दुरुपयोग न करें। सौर ऊर्जा ही अक्षय ऊर्जा है, इसे बढ़ावा देने के लिए सरकारी भवनों पर प्लेट लगाए जा रहे हैं। मौसम के अनुकूल कृषि के लिए फसल चक्र को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसे आठ जिलों में अध्ययन कर शुरु किया जा रहा है और पूरे राज्य में इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचना के कई काम राज्य में किये गए हैं। सात निश्चय के माध्यम से भी काम किए जा रहे हैं। जल–जीवन –हरियाली अभियान के माध्यम से पर्यावरण के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में तरक्की हो रही है और पर्यावरण भी संरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में सांस्कृतिक आयोजन होता है, उसके लिए मैंने पहले भी सुझाव दिया है कि यहां के क्षेत्रीय कलाकारों को युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें पुरस्कृत किया जाए। महोत्सव के शुरुआत के पूर्व ही उनमें आपस में प्रतियोगिता करा ली जाए और बेहतर कलाकारों को इस महोत्सव में मौका दिया जाए, जिससे उनकी पहचान जिले के साथ–साथ राज्य के बाहर भी बने। नामी कलाकारों के कार्यक्रम भी होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमलोग विकास के काम में लगे हैं, लोगों की सेवा कर रहे हैं। आप सभी आपस में प्रेम, भाईचारा और सद्भाव का वातावरण बनाए रखें। किसी धर्म से हों आपस में एक–दूसरे का सम्मान करें, आपस में मिल्लत का भाव रखें।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने ग्रामश्री मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया और मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री का स्वागत पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव श्री उदय सिंह कुमावत ने अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया। कार्यक्रम को नालंदा के जिला प्रभारी मंत्री सह ग्रामीण कार्य मंत्री श्री शैलेश कुमार, पर्यटन मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, सूचना एवं जन–संपर्क मंत्री श्री नीरज कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, विधायक डॉ0 जीतेंद्र कुमार, विधायक श्री रवि ज्योति कुमार, विधायक श्री चंद्रसेन प्रसाद अन्य जनप्रतिनिधिगण, नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सुनैना सिंह, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्री अमृत लाल मीणा, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव श्री उदय सिंह कुमावत, राजगीर पुलिस एकेडमी के निदेशक श्री भृगु श्रीनिवासन, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, पटना प्रमंडल के पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, नालंदा के जिलाधिकारी श्री योगेंद्र सिंह, नालंदा के पुलिस अधीक्षक श्री नीलेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारीगण, कलाकारगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस उद्घाटन समारोह में सर्वधर्म प्रार्थना का भी आयोजन किया गया, जिसमें छह धर्मों के गुरूओं ने मंगलाचरण किया। इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक श्री पंकज उधास ने अपनी गायिकी से शमां बॉधा, जिसका वहॉ मौजूद लोगों ने भरपूर लुत्फ उठाया।

******